बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-814
22/11/2026

मुख्यमंत्री ने विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला–2026 का किया उद्घाटन, कहा– 1,000 करोड़ रुपये से होगा बाबा हरिहरनाथ मंदिर का पुनर्विकास

➢ सोनपुर मेले को सांस्कृतिक आयोजन के साथ–साथ पर्यटन, व्यापार, रोजगार और अर्थव्यवस्था का प्रमुख वैश्विक केंद्र बनाने के लिए सरकार करेगी काम :– सम्राट

मुख्य बिंदु :–

- मुख्यमंत्री ने सोनपुर में बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।
- सोनपुर में दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट और आधुनिक टाउनशिप विकसित करने की घोषणा। गंगा और गंडक नदियों से गाद निकालने तथा गंगा अंबिका पथ एवं सोनपुर–गोपालगंज नारायणी पथ के निर्माण की योजना।
- विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले का आयोजन 22 नवंबर से 23 दिसंबर, 2026 तक होगा। मुख्यमंत्री ने सोनपुर मेला–2026 की वेबसाइट, मोबाइल ऐप तथा ए0आई0 चैटबॉट का किया लोकार्पण।
- सोनपुर–हाजीपुर पुल को अगले वर्ष जून से पहले दो लेन से फोरलेन में चालू करने का लक्ष्य।
- अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने का लक्ष्य। 50 लाख बहनों को पशु सखी बनाने तथा वर्ष 2030 तक प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य।

पटना, 22 नवम्बर 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज सारण जिला के सोनपुर में बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की तथा राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने सोनपुर में बिहार की सांस्कृतिक धरोहर के विश्वस्तरीय

उत्सव एवं विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला–2026 का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर सोनपुर मेला–2026 की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप एवं ए0आई0 चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। साथ ही 'गजेंद्र मोक्ष : भक्ति, आस्था और ईश्वरीय कृपा की अमर गाथा' पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक मेले का आयोजन 22 नवंबर से 23 दिसंबर, 2026 तक किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान हरिहरनाथ के चरणों में नमन अर्पित करता हूं। सोनपुर मेले को केवल सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे बिहार की अर्थव्यवस्था से जोड़कर विकास और रोजगार का बड़ा माध्यम बनाना है। उन्होंने कहा कि सोनपुर मेले को सांस्कृतिक आयोजन के साथ–साथ पर्यटन, व्यापार, रोजगार और अर्थव्यवस्था का प्रमुख वैश्विक केंद्र बनाने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाने के लिए हमें सामूहिक प्रयास करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर में दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाया जाएगा। इसके साथ ही यहां आधुनिक टाउनशिप भी विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा और गंडक नदियों से गाद निकालने का काम किया जाएगा। गंगा अंबिका पथ तथा सोनपुर से गोपालगंज तक नारायणी पथ का निर्माण कराया जाएगा। इससे क्षेत्र में आवागमन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोनपुर और आसपास के क्षेत्रों में फूड प्रोसेसिंग यूनिट के माध्यम से तैयार होने वाले उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों, उद्यमियों और युवाओं को रोजगार एवं व्यवसाय के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जून से पहले सोनपुर–हाजीपुर पुल को दो लेन से फोरलेन में चालू करने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने वर्ष 2037 तक समृद्ध बिहार बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिये भी हम सबको मिलकर काम करना होगा। अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने का लक्ष्य है। राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए सरकार आधारभूत संरचना, उद्योग, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 50 लाख बहनों को पशु सखी बनाया जाएगा। वर्ष 2030 तक बिहार में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा हरिहरनाथ मंदिर का 1,000 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सोनपुर को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सोनपुर मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस मेले की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वस्तरीय आयोजन के रूप में विकसित करना है। मेले को आर्थिक गतिविधियों, पर्यटन, व्यापार और रोजगार से जोड़ने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बिहार को बदलना है और विकसित राज्य बनाना है, तो हम सभी को मिलकर काम करना होगा। सरकार बिहार के समग्र विकास और राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव ने अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम को सांसद श्री राजीव प्रताप रूढ़ी एवं सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ0 दिलीप कुमार जायसवाल, पर्यटन मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ0 प्रमोद कुमार, विधायक श्रीकृष्ण कुमार मंटू, विधायक श्री जनक सिंह, विधायक श्रीमती छोटी कुमारी, विधान पार्षद प्रो0 (डॉ0) वीरेन्द्र नारायण यादव, विधान पार्षद श्री सच्चिदानंद राय, विधान पार्षद श्री संजय मयूख, विधान पार्षद श्री राहुल राज, जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक, विशेष सुरक्षा श्री कुंदन कृष्णन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, सारण प्रमण्डल के आयुक्त श्री मनीष कुमार, सारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री नीलेश कुमार, सारण जिला के जिलाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव, सारण जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री रौशन कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

******